(c) The number of soil testing laboratories in the country during 1991-92, 92-93 and 93-94 was 518, 494 and 496, respectively.

(d) At Present, there are 12 static laboratories and 12 mobile soil testing vans in the States of Bihar, West Bengal, Orissa, U.P. and M.P. under FP&ARD of Hindustan Fertilizer Corporation Limited (HFC).

(e) After the completion of Indo-British Fertilizer Education Project, the number of soil samples has declined as no large scale block demonstrations are being laid out. Soil chemists in general are not being sent to areas other than soil testing, excepting one or two cases which were done for administrative reasons.

(f) There is no policy decision to dismantle soil testing laboratories and FP&ARD. But, for better utilization of the existing infrastructure and the manpower, some of the labs have been relocated, conforming to the needs of the marketing zone of HFC.

उर्वरकों का भंडार

4093. श्री एस. एस. सुरजेवाला : क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 जनवरी, 1995 की स्थिति के अनुसार देश में उर्वरकों का अनुमानित भंडार कितना था;

(ख) वर्ष 1994-95 के लिये अनुमानित उत्पादन और मांग कितनी-कितनी थी;

(ग) सरकार ने किसी भी संभावित कमी से निपटने के लिये क्या कदम उठाये हैं; और

(घ) क्या देश में यूरिया और अन्य रसायनिक खादों की कमी से किसानों को हुई दिक्कतों तथा हानियों की सरकार को जानकारी है, यदि हां, तो इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई है ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो) : (क) और (ख) 10-6-94 से, यूरिया ही केवल एक ऐसा उर्वरक है जो आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत, मूल्य, आबंटन और संचलन नियंत्रण के अन्तर्गत है। 1 जनवरी, 1995 की स्थिति के अनुसार, राज्यों में यूरिया का अनुमानित भंडार 7.91 लाख टन था। स्वदेशी उत्पादन और राज्यों की मूल्यांकित मांग, जैसी कि वर्ष 1994-95 के लिये यूरिया के आबंटन में दिखाया गया है क्रमशः 142.02 और 184.90 लाख टन थे।

(ग) और (घ) वर्ष 1994-95 के दौरान, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत आबंटन के संदर्भ में देश में यूरिया की समग्र उपलब्धता पर्याप्त रही है। वर्ष के दौरान पायी गयी अस्थायी और स्थानीय कमियों को वैकल्पिक स्रोतों से आपूर्तियों को शीघ्र भेजकर पूरा किया गया। जहां तक विनियंत्रित फास्फेटिक और पोटेशिक उर्वरकों का संबंध है, अगस्त, 1992 में उनके अनियंत्रण से विद्यमान मांग के स्तर के संदर्भ में समग्र उपलब्धता पूर्णतया संतोषजनक रही है।

यूरिया की कमियों से बचने के लिये स्वदेशी उत्पादन को इष्टतम बनाया गया है। स्वदेशी उपलब्धता और मांग के बीच के अन्तर को आयातों से पूरा किया जाता है। फास्फेटिक उर्वरकों के उत्पादन को इष्टतम बनाने के लिये 1993-94 से स्वदेशी फास्फेटिक उर्वरकों की बिक्री पर एक विशेष रियायत दी गई है। यह रियायत उन पोटेशिक उर्वरकों पर भी उपलब्ध है, जिनका आयात करना पड़ता है, क्योंकि देश में पोटाश के वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य ज्ञात स्रोत नहीं है।

Reservation in Institutes of Higher Education

4094. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the University Grants Commission (UGC) is not in favour of reservation of seats